फर्श पर कम्पोजिट (इंजीनियर्ड) मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन लगाते समय क्या करें / क्या न करें :

KalingaStone
ITALIAN DESIGN

१. १६ मि. मी. या इससे अधिक मोटाईके मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन को यथा संभव तीन भागों में या कम से कम दो भागों में काटें। १२ मि. मी. मोटाईके स्टोन को २' X २' की अधिकतम साइज में ही काटें।

२. अखंड (बिना जोड़ के) ज्वाइन्ट्स के लिए मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन के किनारों को पॉलिश पेपर की मदद से अच्छी तरह साफ कर लें।

३. यह सुनिश्चित करें कि सब्स्ट्रेट (अध:स्तर)/बेडिंग लेयर, जिसकी मोटाई २०-२५ मि. मी. तक हो, लाईन पवं लेवल में हो। यह भी सुनिश्चित करें कि सतह अच्छी तरह से साफ की गई हो तथा धूल, तेल, ग्रीस इत्यादि से मुक्त हो।

४. सतह को लेवल करने के लिए १: २: ४ के अनुपात में सीमेंट, रेती तथा ग्रिट को उचित मात्रा में पानी के साथ मिलाकर अच्छी तरह से तैयार की हुई २५-६० मि. मी. मोटी प्लेन सीमेंट कांक्रीट का सबस्ट्रेट तैयार करें। मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन के इन्स्टालेशन के पूर्व सबस्ट्रेट की ७-१० दिन तक पर्याप्त क्योरिंग करें।

५. यदि इन्स्टालेशन के लिए सीमेंट तथा रेती का इस्तेमाल करना है, तो १:४ अनुपात में सीमेंट तथा रेती का मोर्टार सबस्ट्रेट की सतह पर एक समान रूप से फैलाएँ तथा इसमें आवश्यक्तानुसार पानी मिलाएँ। जरूरत से ज्यादा पानी को सोखने के लिए मोर्टार की ऊपरी सतह पर सीमेंट पावडर का छिडकाव करें। इस विधि से क्वार्ट्ज स्टोन नहीं लगाना है।

६. मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन लगाने से पहले सीमेंट और रेती के मिश्रण से बने मोर्टार के ऊपर व्हाईट सीमेंट की एक पतली तह लगाएँ। व्हाईट सीमेंट की यह तह स्टोन की सतह के साथ पूर्ण बॉण्ड देता है तथा बीच में हवा के बुलबुले नहीं बनने देता है। ज्वाइन्ट्स से निकले हुए अत्यधिक माल को नम कपड़े / स्पंज से साफ कर लें।

७. इन्स्टालेशन के लिए यदि एडहेसिव का उपयोग किया जाता है, तो उचित मात्रा में पानी मिलाकर तैयार किये गये एडहेसिव पेस्ट को नॉच्ड ट्रावल की मदद से सब्स्ट्रेट की सतह पर लगाएँ यह सुनिश्चित करते हुए कि सतह दृढ़ हो तथा स्टोन सब्स्ट्रेट के साथ सभी बिन्दुओं पर एक समान रूप से सम्पर्क में हो। मार्बल/ क्वार्ट्ज स्टोन को लगाने के बाद अच्छी तरह रबर हैमर से दबा दें तथा ज्वाइन्ट्स से निकले हुए अत्यधिक एडहेसिव पेस्ट को नम कपड़े / स्पंज से साफ कर लें।

८. स्कर्टिंग के नीचे, कम से कम ८-१० मि. मी. का गैप (खाली जगह) रखें, जो प्रॉडक्ट के ऊष्मीय प्रसार को उदासीन कर सके। इस गैप में उचित मोटाई का बेकर रॉड लगाएँ।

९. दोनों दिशाओ में प्रत्येक ५ मी. के अन्तराल पर ३-५ मि. मी. का एक्सपैंशन ज्वाईन्ट रखें।

१०. ज्वाईन्टस् को तुरन्त न भरें, बल्कि कम से कम ७-१० दिन तक खुला रखें, जिससे अत्यधिक वाष्प इत्यादि का वाष्पीकरण हो सके। भरने से पहले ज्वाइन्ट्स को पूर्णत: साफ कर लें।

११. व्हाइट सीमेंट या व्हाईट सीमेंट आधारित ग्राउट्स को न तो ज्वाइन्ट्स में भरें और न ही मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन की सतह पर पड़ा रहने दें।

१२. ज्वाइन्ट्स भरने के लिए सिर्फ इपॉक्सी का उपयोग करें। ज्वाइन्ट्स के ऊपर पड़े हुए अत्यधिक इपॉक्सी को तुरन्त साफ कर लें।

फर्श पर कम्पोजिट (इंजीनियर्ड) मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन लगाते समय क्या करें / क्या न करें :

KalingaStone
ITALIAN DESIGN

१३. POP (प्लास्टर ऑप पेरिस) का उपयोग सीधे मार्बल / क्वार्ट्ज स्टोन के ऊपर न करें।

१४. मार्बल / क्वार्ट्ज लगाने के पहले शेड (रंग) की जाँच कर लें, क्योंकि अलग अलग बैच के अनुसार शेड में बदलाव हो सकता है। इसलिए मार्बल / क्वार्ट्ज को बैच के अनुसार ही लगायें।

१५. क्वार्ट्ज स्टोन – किचन टॉप के ऊपर गर्म बर्तनों को सीधे रखने से बचें। इसके बजाय गर्म बर्तन आदि रखने के लिए टिकली (कोस्टर) उपयोग में ले।

१६. क्वार्ट्ज स्टोन को दुबारा पॉलिश नहीं किया जा सकता है। क्वार्ट्ज स्टोन के किनारों को जरूरत के मुतबिक फिनिश पाने के लिए पॉलिश किया जा सकता है।

१७. मार्बल / क्वार्ट्ज सतहों पर न तो एसिडिक (अम्लीय) क्लीनर और न ही खार के गुण वाला (क्षारीय) क्लीनर का उपयोग करना चाहिए। सिर्फ न्युट्रॅल pH (संतुलित पी एच) क्लीनर का ही उपयोग करना चाहिए।

१८. मार्बल / क्वार्ट्ज को फ्लोरिंग, वॉल क्लैडिंग, किचन टॉप इत्यादि में लगाने के दूसरे दिन ही इसकी सतह पर लगे लॅमिनेशन फिल्म को निकाल लेना चाहिए।

१९. मार्बल / क्वार्ट्ज को ढके हुए शेड (छत) के नीचे ही रखना चाहिए।